Nai Dunia (Indore), 24th October 2025, Nai Dunia City, Page – I

# फंडिंग से बदल रही स्टार्टअप की तस्वीर, करोड़ों में मिल रही ग्रांट

**विभिन्न योजनाओं में इस वर्ष मिली स्टार्टअप को ग्रांट, डीएसटी से फंडिंग के बाद अन्य स्टार्टअप को भी मिलेगी राशि**

फंडिंग के जरिए फाउंडर्स को नई तकनीक पर कार्य करने में मिल रही मदद ● सौजन्य

**नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर:** किसी भी स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में इसे मिलने वाली ग्रांट महत्वपूर्ण होती है। तकनीक विकसित करने से लेकर टीम बिल्डिंग और मार्केटिंग जैसे कार्य में फंड की कमी को ग्रांट कम कर सकती है। शहर में इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से डीपटेक सहित अन्य स्टार्टअप को मिल रही ग्रांट अब फायदा भी देखने को मिल रहा है।

इस वर्ष अब तक कई इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से फंडिंग उपलब्ध करवाई गई है। कुछ योजनाओं में डिपार्टमेंट आफ साइंस टेक्नोलाजी के माध्यम से फंड आना बाकी है, जिसे जल्द स्टार्टअप को दिया जाएगा।

दरअसल, केंद्र सरकार अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से स्टार्टअप को सहायता देने के लिए फंड जारी कर रही है। ये फंड इनक्यूबेशन सेंटर को उपलब्ध करवाया जाता है। इसके बाद सेंटर स्टार्टअप और इनक्यूबिटीज को इस प्रक्रिया के बाद फंड की सुविधा देते हैं। यह फंड तकनीक के विकास के साथ ही इनक्यूबेशन सेंटर के विस्तार और मशीनें खरीदने के लिए भी उपयोग किया जाता है। इन प्रयासों का ही परिणाम है कि कुछ स्टार्टअप ने अपना विस्तार शहर के बाहर किया है, तो कुछ स्टार्टअप ऐसे हैं, जो प्रोटोटाइप से कमर्शियल प्रोडक्ट तक का सफर तय कर चुके हैं और स्टार्टअप के रूप में स्थापित हो चुके हैं। वहीं कई स्टार्टअप अपनी तैयारी में हैं।

### स्टार्टअप में बदले प्रोजेक्ट

आइआइटी इंदौर में बने दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के माध्यम से हर साल डीपटेक स्टार्टअप को अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से फंड दिया जाता है। पिछले साल दिशा प्रोग्राम के अंतर्गत 27 स्टार्टअप को 6 करोड़ रुपये तक की फंडिंग दी गई थी। इसके साथ ही अन्य योजना जेनेसिस के अंतर्गत 10 लाख रुपये तक का फंड उपलब्ध करवाया गया था। पिछले साल जिन 10 फैकल्टी लेट प्रोजेक्ट को फंडिंग दी गई थी।

### दो करोड़ रुपये तक का दिया फंड

एसजीएसआइटीएस इनक्यूबेशन फोरम द्वारा तीन योजनाओं के अंतर्गत फंड दिया जा रहा है। पहली स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की ग्रांट और 50 लाख तक लोन दिया जाता है। दूसरी निधि आइटीबीआई का एग्निशन ग्रांट है, जिसमें 10 लाख रुपये तक की ग्रांट का प्रावधान है। वहीं, तीसरी एमएसएमई आइडिया हैकथॉन है, जिसमें 15 लाख रुपये तक की ग्रांट दी जाती है। इनक्यूबेशन मैनेजर आयुष सोनी के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत दस स्टार्टअप को दो करोड़ रुपये तक का फंड दिया गया है। सरकार की ओर से शेष राशि आने के बाद इन्हें 70 लाख रुपये और दिए जाएंगे। निधि आइटीबीआइ में 27 लोग सिलेक्ट किए हैं, जिन्हें 50 लाख रुपये तक की फंडिंग दी जाएगी। पिछले साल इस योजना के अंतर्गत 14 स्टार्टअप को 30 लाख रुपये की फंडिंग दी जा चुकी है।

### पांच करोड़ रुपये तक की होगी फंडिंग

डीएवीवी इनक्यूबेशन सेंटर डीएसटी निधि आइटीबीआई योजना के अंतर्गत स्टार्टअप और इनक्यूबिटीज को फंडिंग की सुविधा दे रहा है। इसके अंतर्गत हर साल 50 लाख रुपये की फंडिंग दी जाती है। एक स्टार्टअप को दो से लाख रुपये तक का फंड मिल सकता है। पिछले साल 14 लोगों को फंडिंग दी गई थी। इस वर्ष भी 15 से 20 स्टार्टअप को यह फंड देने की योजना है। इनक्यूबेशन सेंटर के प्रभारी सीईओ शांतनु वाइकर के अनुसार, योजना के अंतर्गत सेंटर को पांच करोड़ रुपये डीएसटी के माध्यम से प्राप्त होंगे। इसके माध्यम से सेंटर दो साल और स्टार्टअप को फंड देगा। इस फंड का उपयोग इनक्यूबेशन सेंटर के विस्तार के लिए भी किया जा रहा है।